नियन्त्रित एवं निर्देशित मौखिक कार्य
Controlled And Guided Oral Work

मौखिक कार्य से अभिप्राय

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अपनी अनुभूतियाँ एवं मनोभावों की अभिव्यक्ति मौखिक भाषा से करता है क्योंकि भाषा ही विचार एवं भावाभिव्यक्ति का सर्वोत्तम साधन है। हम परस्पर विचार-विनिमय भी मौखिक भाषा द्वारा ही करते है। इसीलिए हमारे दैनिक जीवन में मौखिक भाषा का उपयोग अधिक होता है। हिन्दी भाषा-शिक्षण का आरम्भ भी मौखिक भाषा से ही होता है। मनोवैज्ञानिकों का विचार है कि पहले पढ़ना सिखाया जाना चाहिए तदुपरान्त लिखना। अतः हिन्दी-शिक्षण में मौखिक कार्य वह है जिससे छात्र हिन्दी भाषा सुनकर एवं समझकर अपनी बातें तथा विचारों को मुख द्वारा व्यक्त करने में समर्थ होते है।

मौखिक कार्य के उद्देश्य

1. छात्रों के शब्दकोश एवं सूक्ति भण्डार में वृद्धि करना।
2. छात्रों को हिन्दी ध्वनियों, शब्दों, सूक्तियों, मुहावरों एवं लोकोक्तियों के शुद्ध-शुद्ध उच्चारण करने के सुयोग बनाना।
3. हिन्दी के सरल एवं नवीन वाक्यों का प्रयोग करके बोलने की क्षमता उत्पन्न करना।
4. छात्रों में कविता के पाठ करने के सुयोग बनाना।

Scanned by TapScanner

5. हिन्दी में सरल प्रश्नों की रचना करने के सुयोग बनाना।
6. छात्रों को हिन्दी में वार्तालाप करने के सुयोग बनाना।
7. छात्रों को अपने विचारों को हिन्दी में अभिव्यक्त करने के सुयोग बनाना।

मौखिक कार्य की विशेषताएँ

1. समुचित गति
2. शुद्ध एवं स्पष्ट उच्चारण।
3. शब्दावली का समुचित प्रयोग
4. शब्द-रचना एवं व्याकरण के नियमों का शुद्ध प्रयोग
5. समुचित हाव-भाव द्वारा विचारों की अभिव्यक्ति।
6. वाणी की बोधगम्यता
7. मधुरता

मौखिक कार्य का स्वरूप

1. उच्चारण एवं वर्तनी का अभ्यास कराना
2. शब्द एवं व्याकरण के नियमों का अभ्यास कराना।
3. सरल वाक्य बनाना
4. छात्रों से प्रश्नोत्तर करवा जैसे-
   शिक्षक - तुम्हारा क्या नाम है? छात्र - मेरा नाम रमेश है।
5. वार्तालाप शिक्षक एवं छात्र को परस्पर करवा।
6. छात्रों द्वारा भाषण तथा वाद-विवाद का महत्व बताना तथा उन्हें भाग लेने के लिए प्रेरित करना
7. अभिनय द्वारा छात्रों में अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करना।
8. सस्वर पाठ मौखिक कार्य के अन्तर्गत सर्वाधिक प्रभावपूर्ण सिद्ध होता है अतः छात्रों का सस्वर पाठ का अभ्यास कराना।

Scanned by TapScanner